भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या **4186**

जिसका उत्तर शुक्रवार, 20 दिसंबर, 2024/29 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है।

नैनो-उर्वरकों को अपनाना

4186. श्री नवीन जिंदल:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में किसानों द्वारा केवल 5 प्रतिशत नैनो उर्वरकों को अपनाया गया है;
(ख) यदि हां, तो ऐसी स्थिति के पीछे क्या कारण हैं; और
(ग) सरकार द्वारा किसानों को नैनो-उर्वरकों के व्यापक लाभों से अवगत कराने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं ताकि इसके उपयोग को लोकप्रिय बनाया जा सके?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) और (ख): कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीएएंडएफडब्ल्यू) ने उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 में नैनो यूरिया को नैनो नाइट्रोजन उर्वरकों के रूप में अनंतिम रूप से अधिसूचित किया था। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने भी एफसीओ, 1985 के अंतर्गत नैनो डीएपी को अधिसूचित किया है।

तदनुसार, उर्वरक कंपनियों द्वारा नैनो यूरिया की 11.53 करोड़ बोतलों का उत्पादन किया गया है जिसमें से 9.07 करोड़ बोतलें (प्रत्येक 500 मिलीलीटर) राज्यों को भेज दी गई हैं। इसी प्रकार, उर्वरक कंपनियों द्वारा नैनो डीएपी की 2.62 करोड़ बोतलों का उत्पादन किया गया है, जिसमें से 1.82 करोड़ बोतलें (प्रत्येक 500 मिलीलीटर) राज्यों को भेज दी गई हैं।

(ग): किसानों के बीच नैनो उर्वरकों के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित उपाए किए गए हैं:-

i. नैनो यूरिया के प्रयोग को विभिन्न गतिविधियों जैसे कि जागरूकता शिविरों, वेबिनारों, नुक्कड़ नाटकों, खेतों पर प्रदर्शनों, किसान सम्मेलनों और क्षेत्रीय भाषाओं में फिल्मों आदि के माध्यम से बढ़ावा दिया जाता है।

ii. नैनो यूरिया को संबंधित कंपनियों द्वारा प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (पीएमकेएसके) पर उपलब्ध कराया जाता है।

iii. नैनो यूरिया को उर्वरक विभाग द्वारा नियमित रूप से जारी मासिक आपूर्ति योजना में शामिल किया गया है।

iv. आईसीएआर ने भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान, भोपाल के माध्यम से हाल ही में "उर्वरक (नैनो-उर्वरकों सहित) के कारगर और संतुलित उपयोग" पर राष्ट्रीय अभियान का आयोजन किया।

v. 15 नवंबर, 2023 को शुरू की गई विकसित भारत संकल्प यात्रा (वीबीएसवाई) के दौरान नैनो उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा दिया गया था ।

vi. 15,000 महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ड्रोन प्रदान करने के उद्देश्य से, भारत सरकार ने 'नमो ड्रोन दीदी' स्कीम शुरू की है। उक्त स्कीम के तहत, उर्वरक कंपनियों द्वारा महिला स्वयं सहायता समूहों की नमो ड्रोन दीदियों को 1094 ड्रोन उपलब्ध कराए गए हैं, जो ड्रोन के माध्यम से नैनो उर्वरकों के बढ़ते अनुप्रयोग को सुनिश्चित कर रहे हैं।

vii. उर्वरक विभाग ने उर्वरक कंपनियों के सहयोग से परामर्श और क्षेत्र स्तरीय प्रस्तुतियों के माध्यम से देश के सभी 15 कृषि-जलवायु क्षेत्रों में नैनो डीएपी को अपनाने के लिए एक महाअभियान शुरू किया है। इसके अलावा, उर्वरक विभाग ने उर्वरक कंपनियों के सहयोग से देश के 100 जिलों में नैनो यूरिया प्लस के लिए फील्ड स्तरीय प्रस्तुतियां और जागरूकता कार्यक्रम चलाने के लिए भी अभियान शुरू किया है।

*****